सामाजिक विज्ञान

कक्षा 7

(इतिहास)

Chapter 7: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ:

अनंतवर्मन	केरल
जगन्नाथ	बंगाल
महोदयपुरम	उड़ीसा
लीला तिलकम	कांगड़ा
मंगलकाव्य	पुरी
लघुचित्र	केरल

उत्तर:-

अनंतवर्मन	उड़ीसा
जगन्नाथ	पुरी
महोदयपुरम	केरल
लीला तिलकम	केरल
मंगलकाव्य	बंगाल
लघुचित्र	कांगड़ा

प्रश्न 2. मणिप्रवालम् क्या है? इस भाषा में लिखी पुस्तक का नाम बताएँ ।
उत्तर: मणिप्रवालम् एक मिश्रित भाषा है, जो मुख्यतः संस्कृत और मलयालम के मेल से बनी है। मणिप्रवालम् में लिखी गई एक प्रसिद्ध पुस्तक: "लीलातिलकम्"

प्रश्न 3. कत्थक के प्रमुख संरक्षक कौन थे?
उत्तर: कत्थक नृत्य के प्रमुख संरक्षक मुग़ल सम्राटों और उत्तर भारत के राजघरानों के शासक थे। विशेष रूप से:

1. मुग़ल शासक
2. अवध के नवाब

प्रश्न 4. बंगाल के मंदिरों की स्थापत्यकला के महत्वपूर्ण लक्षण क्या हैं?
उत्तर: बंगाल के मंदिरों की स्थापत्यकला के कुछ प्रमुख लक्षण निम्नलिखित हैं:

1. बंगाल के मंदिरों में "एक-चाला", "दो-चाला", "चार-चाला" और "आठ-चाला" छतें देखने को मिलती हैं।
2. बंगाल में पत्थर की कमी के कारण मंदिरों में आमतौर पर पकी हुई ईंटों (terracotta) का प्रयोग होता है।
3. कुछ मंदिरों में नागर शैली से प्रभावित रेखीय शिखर भी पाए जाते हैं, विशेषकर दक्षिणी बंगाल में।
4. कई मंदिरों का आधार अष्टकोणीय होता है।

आइए विचार करें

प्रश्न 5. चारण भाटों ने शूरवीरों की उपलब्धियों की उद्घोषणा क्यों की?
उत्तर: चारण और भाटों ने शूरवीरों की उपलब्धियों की उद्घोषणा इसलिए की क्योंकि वे समाज में वीरता, पराक्रम और सम्मान को बढ़ावा देने वाले कवि, इतिहासकार और प्रशंसक हुआ करते थे।

प्रश्न 6. हम जनसाधारण की तुलना में शासकों के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के बारे में बहुत अधिक क्यों जानते हैं?
उत्तर: हम जनसाधारण की तुलना में शासकों के सांस्कृतिक रीति-रिवाजों के बारे में अधिक जानते हैं, इसके मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

1. शासकों का लिखित इतिहास
2. राजकीय संरक्षण और अभिलेख
3. शासकों का दिखावा और प्रतिष्ठा
4. विद्वानों और यात्रियों का ध्यान

MUKUTclasses

प्रश्न 7. विजेताओं ने पुरी स्थित जगन्नाथ के मंदिर पर नियंत्रण प्राप्त करने के प्रयत्न क्यों किए?
उत्तर: जगन्नाथ मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि पूर्वी भारत का एक महान तीर्थ था। इस पर नियंत्रण से विजेता को धार्मिक वैधता और जनस्वीकृति मिलती थी।

प्रश्न 8. बंगाल में मंदिर क्यों बनाए गए?
उत्तर: बंगाल के स्थानीय शासकों, ज़मींदारों और व्यापारियों ने धार्मिक प्रतिष्ठा, पुण्य और सामाजिक प्रभाव के लिए मंदिरों का निर्माण कराया।

आइए करके देखें

प्रश्न 9. भवनों, प्रदर्शन कलाओं, चित्रकला के विशेष संदर्भ में अपने क्षेत्र की संस्कृति के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण लक्षणों / विशेषताओं का वर्णन करें।
उत्तर: आपके क्षेत्र की संस्कृति के भवनों, प्रदर्शन कलाओं और चित्रकला की संक्षिप्त विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

1. भवन निर्माण: मुग़ल स्थापत्य (लाल किला, हुमायूं का मकबरा), हिन्दू मंदिर शैली (कालकाजी, योगमाया मंदिर) और औपनिवेशिक स्थापत्य (संसद भवन, इंडिया गेट) प्रमुख हैं।
2. प्रदर्शन कलाएँ: कत्थक नृत्य, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत तथा रंगमंच (NSD, श्रीराम सेंटर) क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान हैं।
3. चित्रकला: मुग़ल चित्रकला, लोककलाओं का समावेश और आधुनिक कला का केंद्र होने के कारण यह क्षेत्र सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है।

प्रश्न 10. क्या आप (क) बोलने, (ख) पढ़ने, (ग) लिखने के लिए भिन्न-भिन्न भाषाओं का प्रयोग करते हैं? इनमें से किसी एक भाषा की किसी प्रमुख रचना के बारे में पता लगाएँ और चर्चा करें कि आप इसे रोचक क्यों पाते हैं?
उत्तर: हाँ, मैं बोलने में हिंदी, पढ़ने में अंग्रेज़ी और लिखने में दोनों भाषाओं का प्रयोग करता हूँ।
प्रमुख रचना: पंच परमेश्वर – मुंशी प्रेमचंद
रोचकता का कारण: यह कहानी न्याय, ईमानदारी और दोस्ती जैसे मूल्यों को दर्शाती है। इसकी सरल भाषा और गहरी भावनाएँ इसे प्रभावशाली बनाती हैं।

प्रश्न 11. उत्तरी, पश्चिमी, दक्षिणी, पूर्वी और मध्य भारत से एक-एक राज्य चुनें। इनमें से प्रत्येक के बारे में उन भोजनों की सूची बनाएँ, जो आमतौर पर सभी के द्वारा खाए जाते हैं। आप उनमें कोई अंतर या समानताएँ पाएँ, तो उन पर प्रकाश डालें।
उत्तर: यहाँ उत्तरी, पश्चिमी, दक्षिणी, पूर्वी और मध्य भारत से एक-एक राज्य का चयन कर, उनके सामान्य भोजनों की सूची दी गई है:

1. उत्तरी भारत (उत्तर प्रदेश): आलू पराठा, चोली (छोले) भटूरे, दाल मखनी, तंदूरी रोटियां, राई का साग
2. पश्चिमी भारत (गुजरात): खिचड़ी, ढोकला, कढ़ी, पूरी-शाक, समोसा
3. दक्षिणी भारत (तमिलनाडु): डोसा, इडली, सांभर, रसम, उत्तप
4. पूर्वी भारत (बंगाल): माछेर झोल (मछली करी), बंगाली भात (चावल), शुक्तो, रोशोगुल्ला, लाच्चा पराठा
5. मध्य भारत (मध्य प्रदेश): भुट्टा (मक्के की रोटी) और दही, दाल बाफला, पूड़ी और आलू की सब्जी,फरा, मिर्ची के पकौड़े

समानताएँ:

1. चावल: दक्षिणी, पूर्वी, और मध्य भारत में चावल का प्रमुख स्थान है, जबकि उत्तर भारत में गेहूं आधारित भोजन अधिक लोकप्रिय है।
2. पारंपरिक मिठाइयाँ: हर राज्य में अपनी विशेष मिठाई होती है, जैसे बंगाल में रोशोगुल्ला, उत्तर भारत में गुलाब जामुन, और गुजरात में हलवा।
3. लहसुन और मसाले: अधिकांश राज्यों में मसालों का उपयोग प्रचुर मात्रा में होता है, हालांकि इनका मिश्रण और प्रकार भिन्न होता है।

भिन्नताएँ:

1. सांभर और रसम: यह केवल दक्षिण भारत के लिए विशिष्ट है, जो चावल के साथ खाया जाता है, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह नहीं मिलता।
2. मछली: बंगाल में मछली प्रमुख भोजन है, जबकि उत्तर भारत और मध्य भारत में इसका उपयोग कम होता है।
3. तलने का तरीका: पश्चिमी और उत्तर भारत में तलने की विधि अधिक प्रचलित है, जबकि दक्षिणी भारत में स्टीमिंग या उबालने का तरीका अधिक प्रचलित है।

प्रश्न 12. इनमें से प्रत्येक क्षेत्र से पाँच-पाँच राज्यों की एक-एक अन्य सूची बनाएँ और यह बताएँ कि प्रत्येक राज्य में महिलाओं तथा पुरुषों द्वारा आमतौर पर कौन-से वस्त्र पहने जाते हैं। अपने निष्कर्षों पर चर्चा करें।
उत्तर: पांच-पांच राज्यों के उदाहरण के साथ महिलाओं और पुरुषों द्वारा पहने जाने वाले आम वस्त्रों की सूची:

क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण

1. उत्तरी भारत

राज्य	महिलाओं के वस्त्र	पुरुषों के वस्त्र
उत्तर प्रदेश	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: कुर्ता, पजामा, धोती, जैकेट
हरियाणा	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता, पजामा, जूट की चप्पल
दिल्ली	महिलाएँ: सलवार-कुर्ता, साड़ी, लेहंगा	पुरुष: कुर्ता-पजामा, शर्ट, जीन्स
पंजाब	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता, शलवार-सूट	पुरुष: कुर्ता-पजामा, जीन्स, शर्ट
राजस्थान	महिलाएँ: घाघरा-चोली, साड़ी	पुरुष: धोती, कुर्ता, पगड़ी

2. पश्चिमी भारत

राज्य	महिलाओं के वस्त्र	पुरुषों के वस्त्र
गुजरात	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता चोली, घाघरा,	पुरुष: कुर्ता, धोती, कच्छी
महाराष्ट्र	महिलाएँ: नौवारी साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता, पगड़ी
राजस्थान	महिलाएँ: घाघरा-चोली, साड़ी	पुरुष: धोती, कुर्ता, पगड़ी
दमन और दीव	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता, शर्ट
गोवा	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता, टॉप और स्कर्ट	पुरुष: शर्ट, जीन्स, धोती

3. दक्षिण भारत

राज्य	महिलाओं के वस्त्र	पुरुषों के वस्त्र
तमिलनाडु	महिलाएँ: कांची साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता
कर्नाटका	महिलाएँ: साड़ी, चूड़ीदार	पुरुष: धोती, कुर्ता
केरल	महिलाएँ: सेट साड़ी, कुर्ता, सलवार	पुरुष: धोती, कुर्ता
आंध्र प्रदेश	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता, पगड़ी
तेलंगाना	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता, शर्ट

4. पूर्वी भारत

राज्य	महिलाओं के वस्त्र	पुरुषों के वस्त्र
बंगाल	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता
ओडिशा	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता
झारखंड	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता
बिहार	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता
पश्चिम बंगाल	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: कुर्ता-पजामा, धोती

5. मध्य भारत

राज्य	महिलाओं के वस्त्र	पुरुषों के वस्त्र
मध्य प्रदेश	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता, शर्ट
छत्तीसगढ़	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: धोती, कुर्ता, पेंट-शर्ट
उत्तर प्रदेश	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: कुर्ता-पजामा
राजस्थान	महिलाएँ: घाघरा-चोली, साड़ी	पुरुष: धोती, कुर्ता
हिमाचल प्रदेश	महिलाएँ: साड़ी, सलवार-कुर्ता	पुरुष: कुर्ता, पैंट

- समानताएँ:
  - अधिकतर राज्यों में महिलाएँ साड़ी पहनती हैं, जो भारतीय पारंपरिक पहनावा है।
  - पुरुषों का पहनावा अधिकांशतः कुर्ता, धोती, पजामा या शर्ट पर आधारित है।
- भिन्नताएँ:
  - दक्षिण भारत में विशेष रूप से धोती की प्रचलनता अधिक है, जबकि उत्तरी भारत में पुरुष आमतौर पर कुर्ता-पजामा पहनते हैं।
  - पश्चिमी भारत में घाघरा-चोली पहनने की प्रथा बहुत आम है, विशेषकर राजस्थान और गुजरात में, जो अन्य क्षेत्रों में कम प्रचलित है।
  - साड़ी के पहनने का तरीका दक्षिण भारत में कुछ अलग होता है (जैसे कांची साड़ी), जबकि उत्तरी और पश्चिमी भारत में यह अधिक पारंपरिक तरीके से पहनी जाती है।